

नागरिक शास्त्र

(*Citizenship*)

“ अधिकारों और कर्तव्यों के सम्यक् ज्ञान से ही
सत्कर्म की प्रेरणा होती है । ”

लेखक—

श्री भगवानदास केला

प्रकाशक—

मध्यभारत-हिन्दी-साहित्य-समिति,

इन्दौर
